एम ए एस ओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एवं

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओ 104: भारत में समाजशास्त्र-II

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ

सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-104 / सत्रीय कार्य / टीएमए/ 2026-27

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) क सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका मेंहमन बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2026**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जुलाई **2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी**	**31 मार्च, 2027**	
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ 104: भारत में समाजशास्त्र-II
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 | **कार्यक्रम कोड : एमएएसओ**
अधिभारिता : 30% | **पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-104**
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-104/सत्रीय कार्य/टीएमए/ 2026-27

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

		अंक
1.	भारत में जनजातियों की अवधारणा तथा उनकी प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। जनजातीय समाज को समझने के लिए प्रयुक्त प्रमुख मानवशास्त्रीय एवं समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए।	20
2.	भारत में जनजाति और जाति के संबंधों की व्याख्या कीजिए।	20
3.	भारत में जनजातीय विकास और एकीकरण के संदर्भ में **वेरियर एल्विन** तथा **जी.एस. घुर्ये** के दृष्टिकोणों की तुलना करते हुए आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।	20
4.	धर्म और राजनीति के संबंधों की विवेचना कीजिए।	20
5.	धर्मनिरपेक्षीकरण (Secularization) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। आधुनिक समाज में इसके प्रक्रिया और प्रभावों पर चर्चा कीजिए।	20
6.	समाज में धार्मिक संगठनों की संरचना और उनके कार्यों (Functions) पर विस्तार से चर्चा कीजिए।	20
7.	सामाजिक आंदोलनों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। सामाजिक आंदोलनों की उत्पत्ति, घटक तथा उनके प्रमुख आयामों पर चर्चा कीजिए।	20
8.	धार्मिक बहुलवाद (Religious Pluralism) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक समाज में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।	20
9.	धर्म और विकास के संबंधों की विवेचना कीजिए। धर्म किस प्रकार सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकता है?	20
10.	नए सामाजिक आंदोलनों की अवधारणा और विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। ये पारंपरिक सामाजिक आंदोलनों से किस प्रकार भिन्न हैं?	20